

प्रवृत्ति (तां)

कलू बतान सोनी डंगी

संख्या : 82/2019

विश
दिव

तुत किया हुआ मानकर तथा
न्यायालय के विवेकाधीन
अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की
यह अपेक्षा कि जाती है कि
पर एक पक्षीय आदेश की
कार्यवाही कर इस न्यायालय
श 39 नियम (3) (क) के
करें। अन्यथा अंतरिम आदेश
निस्तारित करने से पूर्व
व अंतर्निहित शक्तियों का
में यह अंतरिम अस्थाई
में परिवर्तन की दशा में
गी। अप्रार्थीगण को जरिए
पत्रावली दिनांक 22.10.

3-12-19 आज यह पत्रावली मूल वाद के साथ शीघ्र
सुनवाई प्रा० पत्र एवं विद्दे प्रा० पत्र पेश होने
पर तलब की गई। मूल वाद वादी अधिवक्ता
द्वारा विद्दे प्रा० पत्र प्रस्तुत किये जाने पर
एवं स्वीकार होने पर खारिज किया जा
चुका है। अतः इस पत्रावली में आगे
कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है। अतः
प्रा० पत्र (तां) ^{विद्दे के आधार पर} खारिज किया जाता है।
दखिल दफ्त है।

सहायक कलेक्टर
आमेर मु० जयपुर

सहायक कलेक्टर
आमेर मु० जयपुर

सहायक कलेक्टर एवं कार्यवाहक मजिस्ट्रेट
आमेर मु० जयपुर

सो
पत्रावली
हो

0/ अज्ञानी ह. 2019
गदी पत्रावली रक्त
वास्तु वाक 77

को पेश है
सहायक कलेक्टर
आमेर मु० जयपुर

